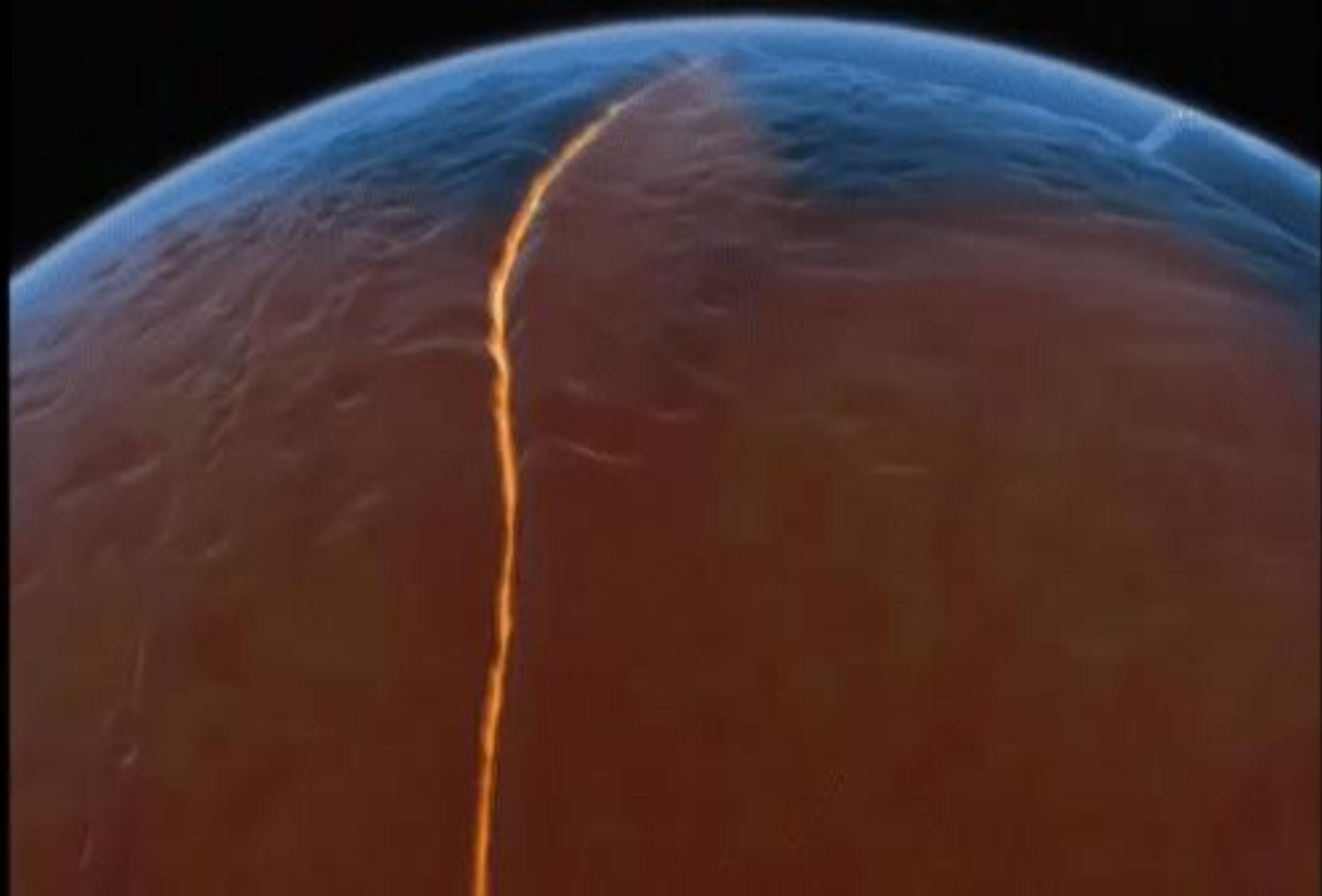


shutterstock

rapmaker

utterstreck









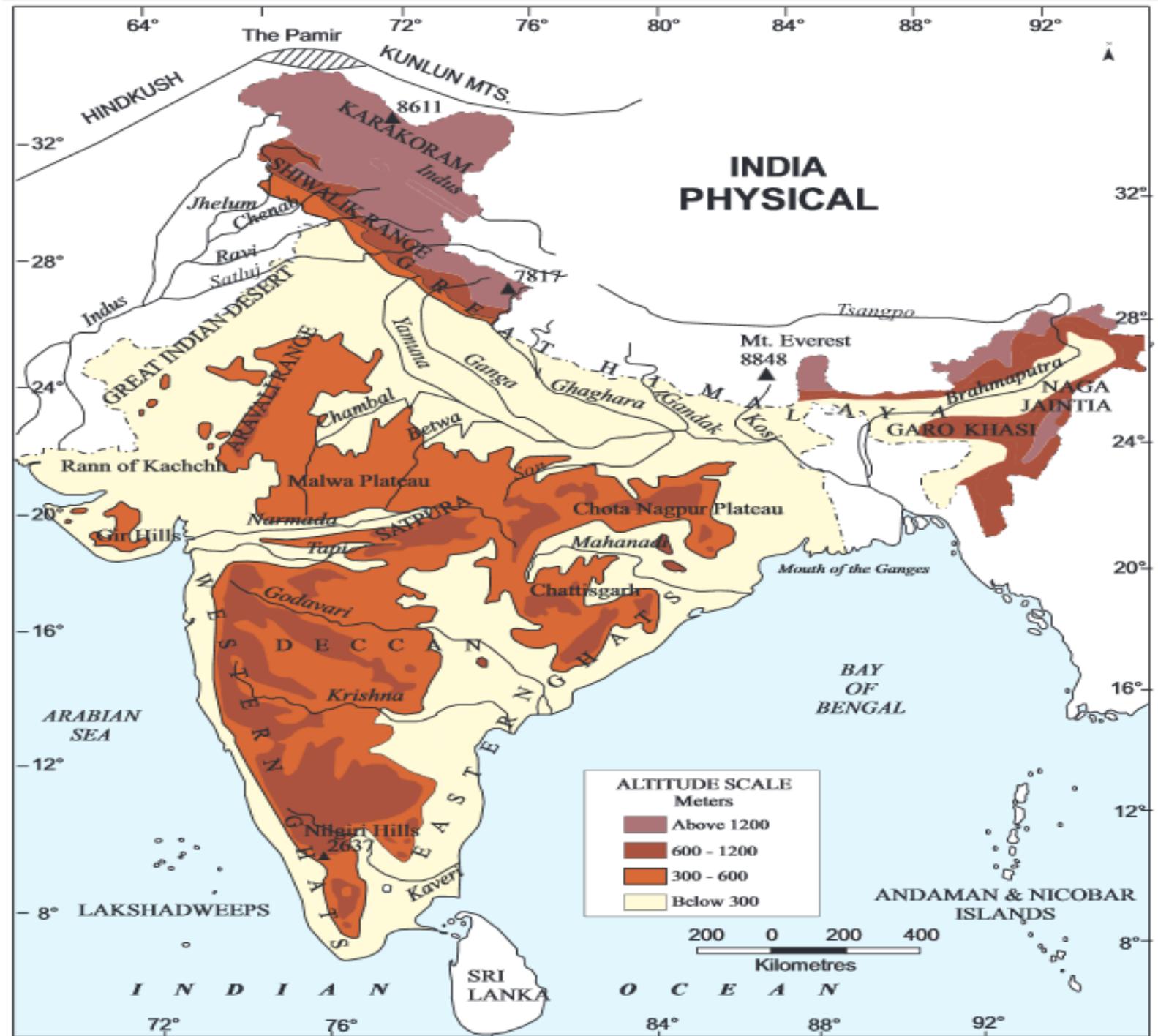
When Continental Tectonic Plates
collide...

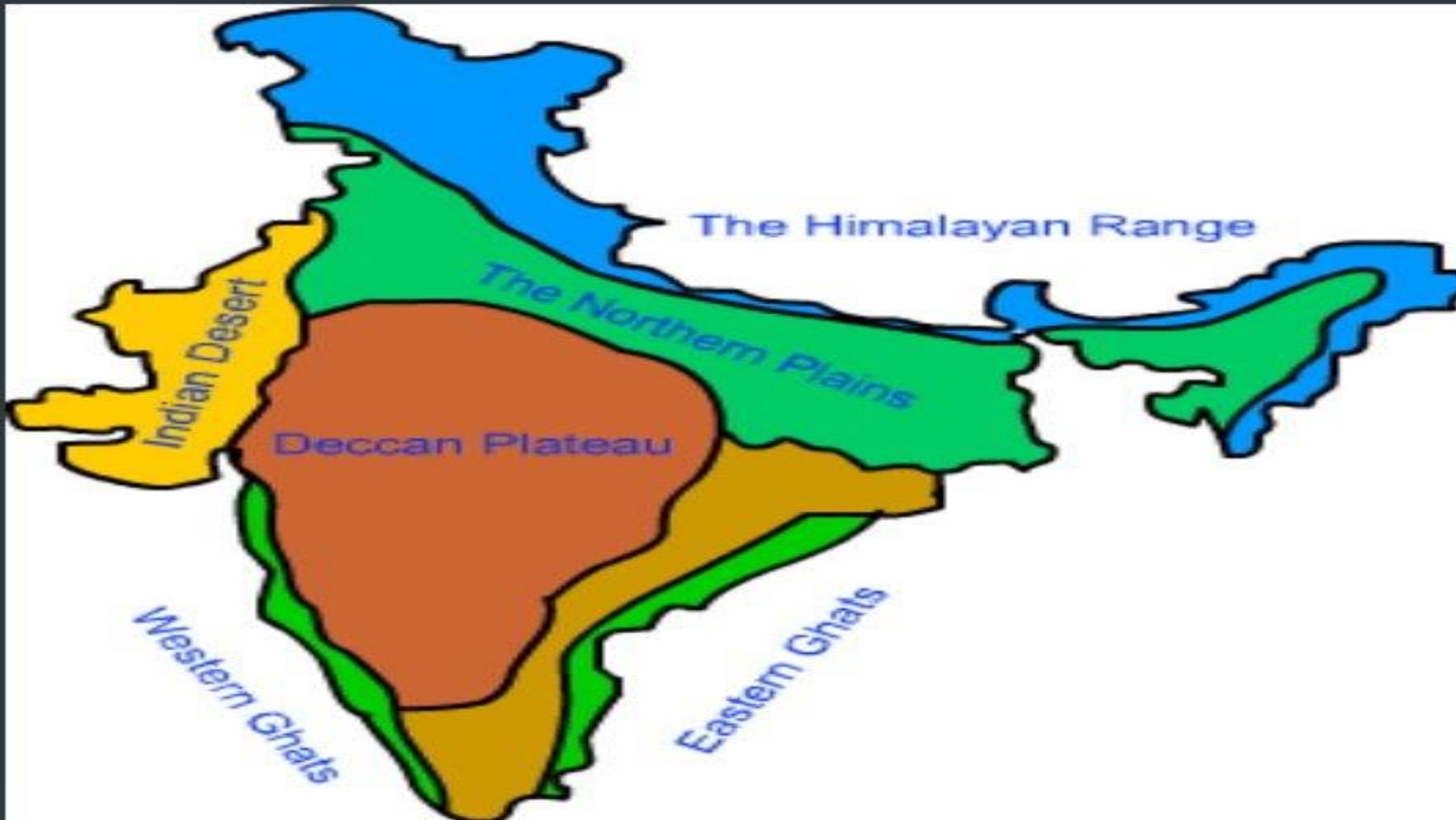
India is divided into six physiographic divisions on basis of the varied physiographic features:

1. Northern and North-eastern Mountain;
2. Northern Plain;
3. Peninsular Plateau;
4. Indian Desert;
5. Coastal Plains;
6. and Islands.

भारत को भौतिक आधार पर छह विभिन्न प्रभागों में विभाजित किया गया है:

1. उत्तरी और उत्तर-पूर्वी पर्वत;
2. उत्तरी मैदान
3. प्रायद्वीपीय पठार;
4. भारतीय रेगिस्तान;
5. तटीय मैदानों;
6. और द्वीप।





The Himalayan Range

The Northern Plains

Deccan Plateau

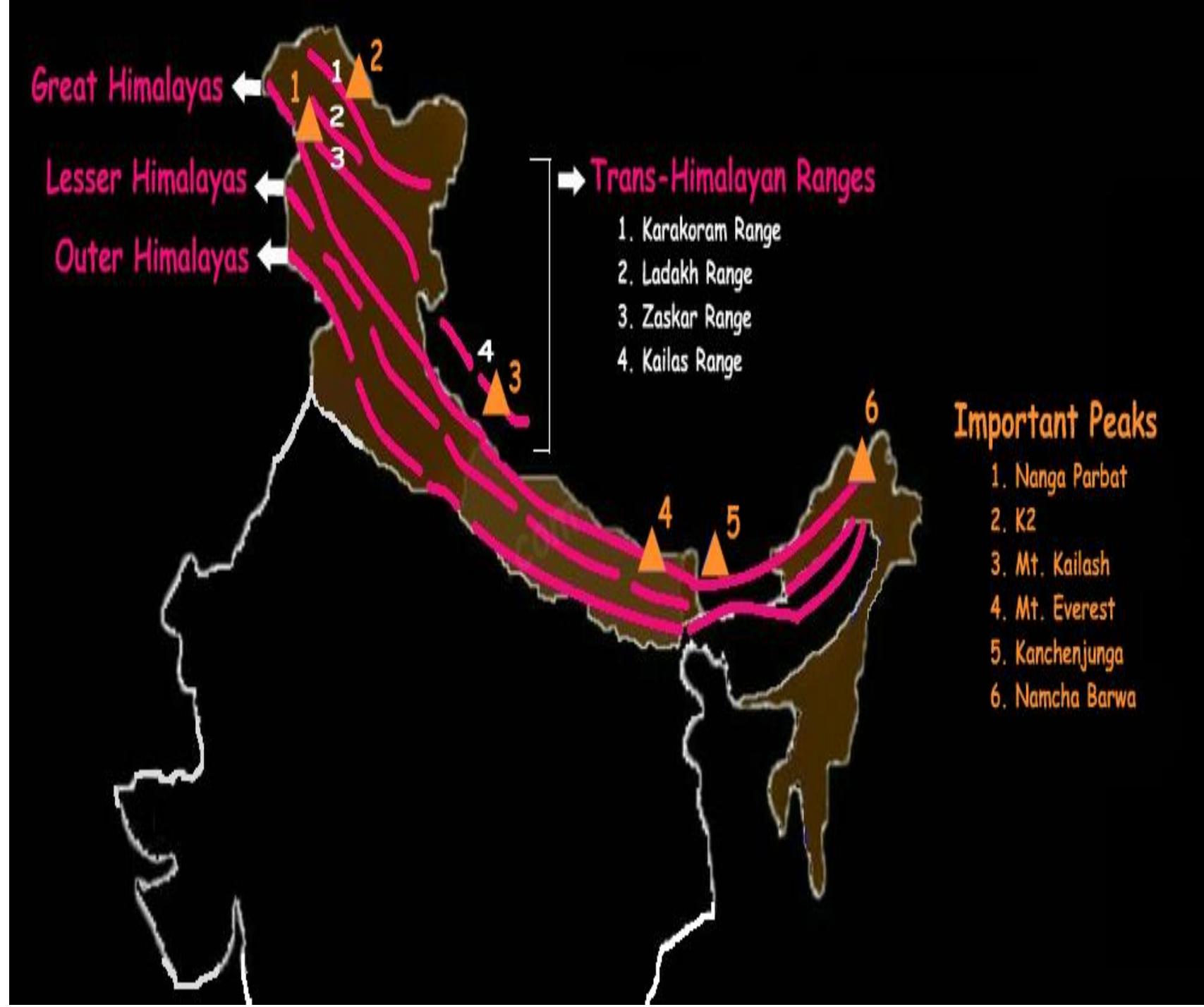
Indian Desert

Western Ghats

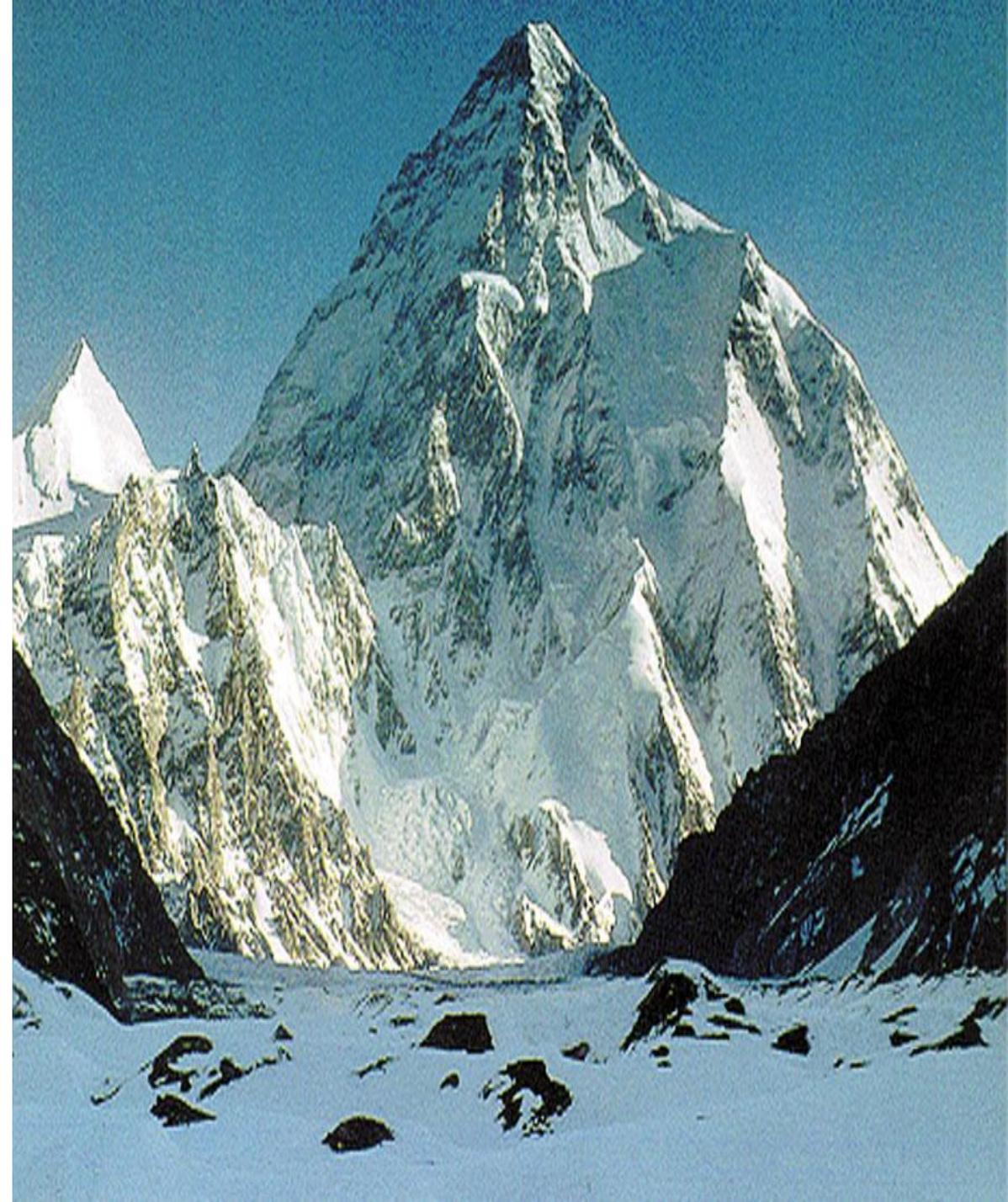
Eastern Ghats

The Northern Mountain : It is divided into three groups. They are :
(i) The Trans Himalayas
(ii) The Himalayas
(iii) The Puranchal hills

उत्तरी पर्वत: इसे तीन समूहों में विभाजित किया गया है। वो हैं (i) हिमालय
(ii) ट्रांस हिमालय
(iii) पूर्वांचल की पहाड़ियाँ



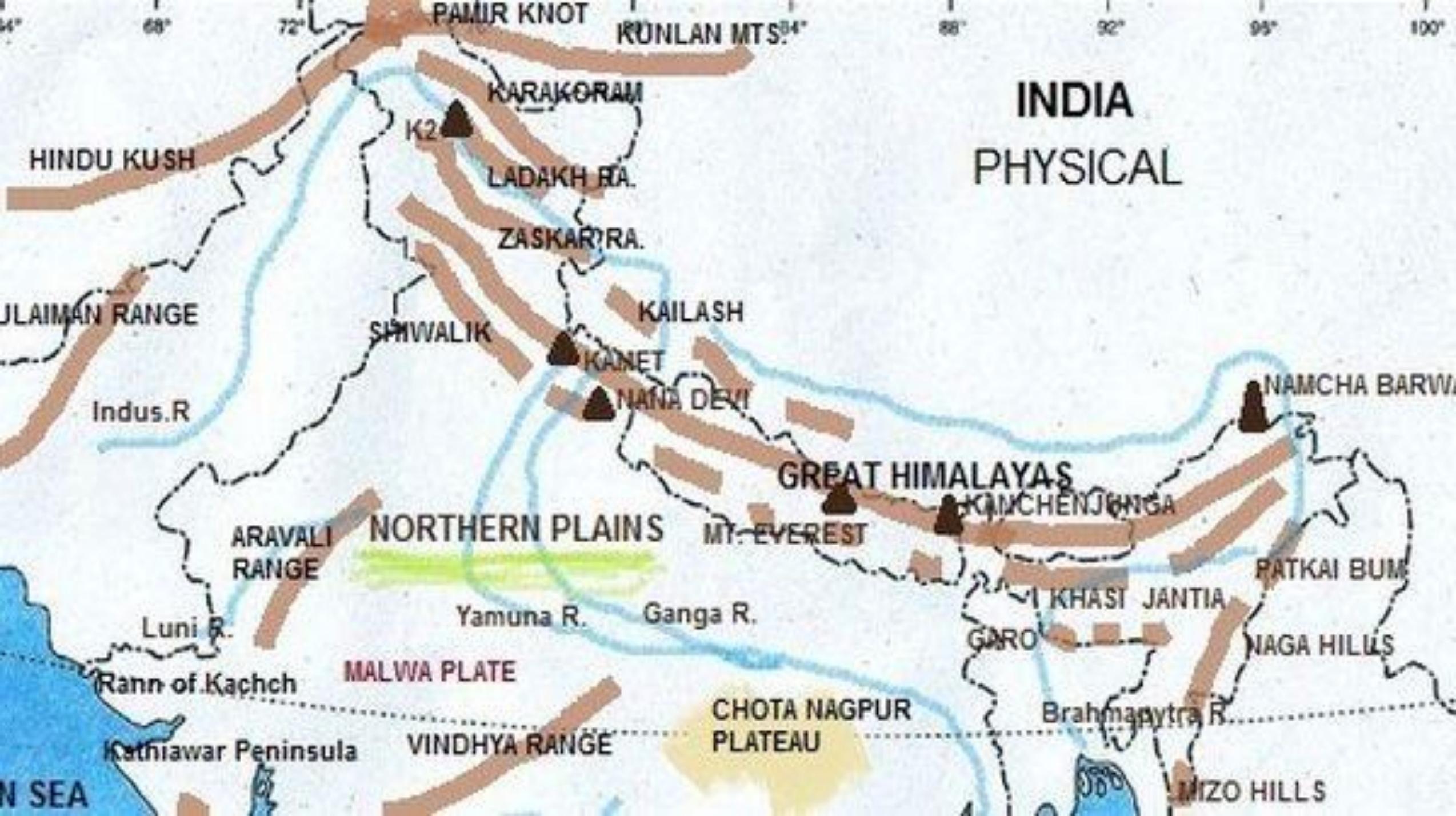
The Trans-Himalayan ranges
It extends north of greater Himalaya and parallel to it is called Zaskar range. North of Zaskar range lies Ladakh range. The Indus river flows between Zaskar and Ladakh range. The Karakoram range lie extreme north of the country. K2 is the second highest peak of the world. यह महान हिमालय के उत्तर में फैला हुआ है। इसमें काराकोरम, लद्दाख, ज़स्कर और कैलाश रेंज हैं। सिंधु नदी ज़स्कर और लद्दाख के बीच बहती है। काराकोरम रेंज देश के उत्तर में स्थित है। K2 दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची चोटी है (8,611 m)



The Himalayan Mountains -

Himalayas are the young fold mountains . This is the highest mountain range of the world. Himalayas act as natural barrier. The extreme cold, snow and rugged topography discourage the neighbors to enter India through Himalayas. They run from west-east direction from Indus to Brahmaputra along the northern boundary of India

हिमालय पर्वत - हिमालय युवा वलित पर्वत हैं। यह दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत श्रृंखला है। हिमालय प्राकृतिक अवरोधक के रूप में कार्य करता है। अत्यधिक ठंड, बर्फ और बीहड़ स्थलाकृति हिमालय के माध्यम से भारत में प्रवेश करने के लिए पड़ोसियों को हतोत्साहित करती है। वे भारत की उत्तरी सीमा के साथ सिंधु से ब्रह्मपुत्र तक पश्चिम-पूर्व दिशा से चलते हैं



The Himalayas may be divided into three parallel ranges:

- (a) Greater Himalayas or Himadari**
- (b) Lesser Himalayas or Himachal**
- (c) Outer Himalayas or Siwaliks.**

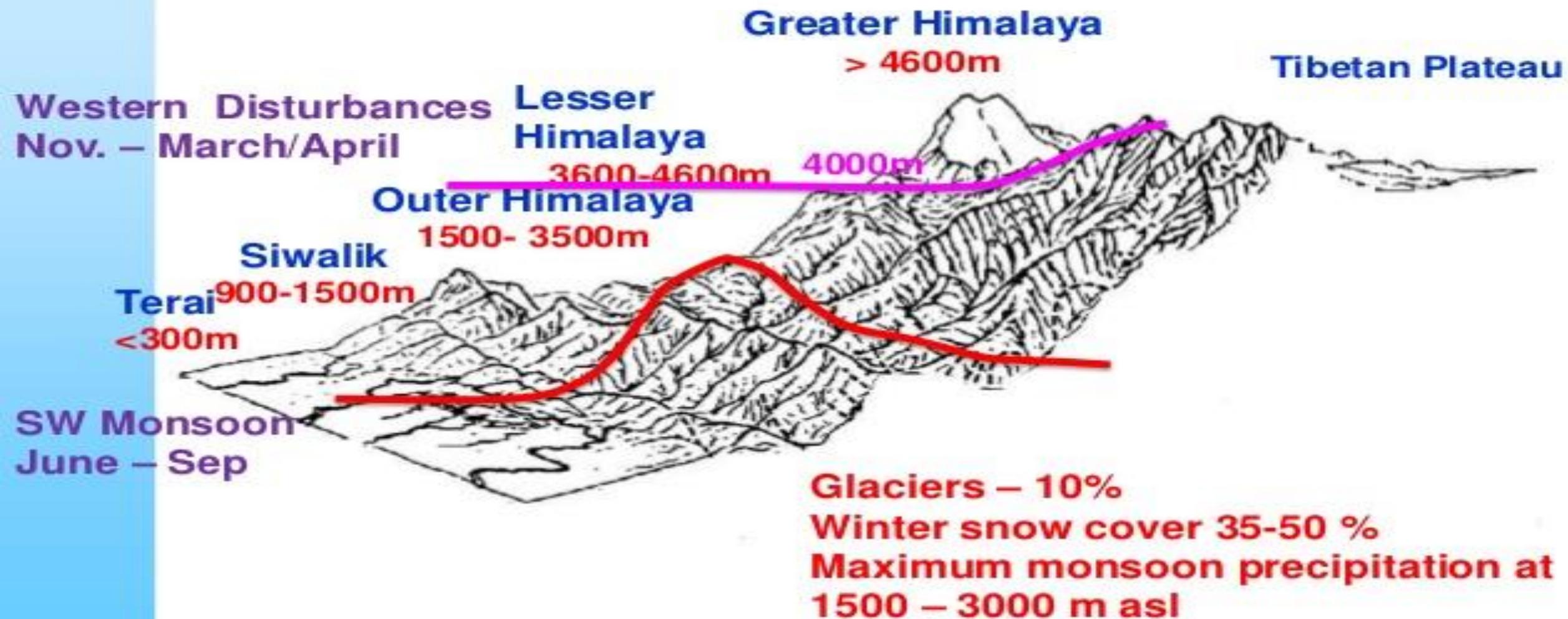
हिमालय को तीन समानांतर श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है:

- (ए) ग्रेटर हिमालय या हिमाद्री
- (b) छोटा हिमालय या हिमाचल
- (c) बाहरी हिमालय या शिवालिक

The Greater Himalayas or Himadari: The Greater Himalayas comprises of the northern most ranges and peaks. It has an average height of 6000 metres and width lies between 120 to 190 Kms .It is the most continuous range. It is snow bound and many glaciers descend from this range. It has high peaks like Mt. Everest, Kanchenjunga, Makalu, Dhaulagiri, Nanga Parbat etc. having a height of more than 8000 metres. Mt. Everest (8848 m) is the highest peak of the world and Kanchenjunga is the highest peak of Himalaya in India. High Mountain passes also exist in this range, namely, Bara Lacha-La, Shipki-La, Nathu-La, Zoji-La, Bomidi-La etc. The Ganga and Yamuna rivers originates from this Himalayas.

ग्रेटर हिमालय या हिमाद्री: ग्रेटर हिमालय में उत्तरी सबसे अधिक पर्वतमाला और शिखर शामिल हैं। इसकी औसत ऊँचाई 6000 मीटर और चौड़ाई 120 से 190 किलोमीटर के बीच है। यह सबसे निरंतर सीमा है। यह बर्फ से बंधा है और कई ग्लेशियर इस रेंज से उतरते हैं। इसमें माउंट जैसी ऊंची चोटियां हैं। एवरेस्ट, कंचनजंगा, मकालू, धौलागिरी, नंगा परबत आदि की ऊंचाई 8000 मीटर से अधिक है। माउंट एवरेस्ट (8848 मीटर) दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है और कंचनजंगा भारत में हिमालय की सबसे ऊंची चोटी है। इस पर्वतमाला में उच्च पर्वतीय दर्रे भी मौजूद हैं, अर्थात्, बारा लचा-ला, शिपकी-ला, नाथू-ला, जोजी-ला, बोमिदी-ला आदि। गंगा और यमुना नदियाँ इसी हिमालय से निकलती हैं।

The Himalayan System



b) The Lesser Himalayas or Himachal: The altitude of this range lies between 1000 and 4500 metres and the average width is 50 KM. The Prominent ranges in this are Pir Panjal, Dhauladhar and Mahabharata ranges. It comprises of many famous hill stations like Shimla, Dalhousie, Darjeeling, Chakrata, Mussoorie, Nainital etc. It also comprises of famous valleys like Kashmir, Kullu, Kangra etc.

(c) The Outer Himalayas or the Siwalik: It is the outer most range of the Himalayas. The altitude varies between 900-1100 meters and the width lies between 10-50 KM. They have low hills like Jammu Hills, etc. The valleys lying between Siwalik and Lesser Himalayas (Himachal) are called 'Duns' like Dehra Dun, Kotli Dun and Patli Dun.

b) छोटा हिमालय या हिमाचल: इस श्रेणी की ऊँचाई 1000 से 4500 मीटर के बीच है और औसत चौड़ाई 50 KM है। इसमें प्रमुख पर्वतमाला पीर पंजाल, धौला धार और महाभारत पर्वतमाला हैं। यह कई प्रसिद्ध हिल स्टेशनों जैसे कि शिमला, डलहौज़ी दार्जिलिंग, चकराता, मसूरी, नैनीताल आदि को संकुचित करता है। इसमें कश्मीर, कुल्लू, कांगड़ा आदि प्रसिद्ध घाटियाँ भी शामिल हैं।

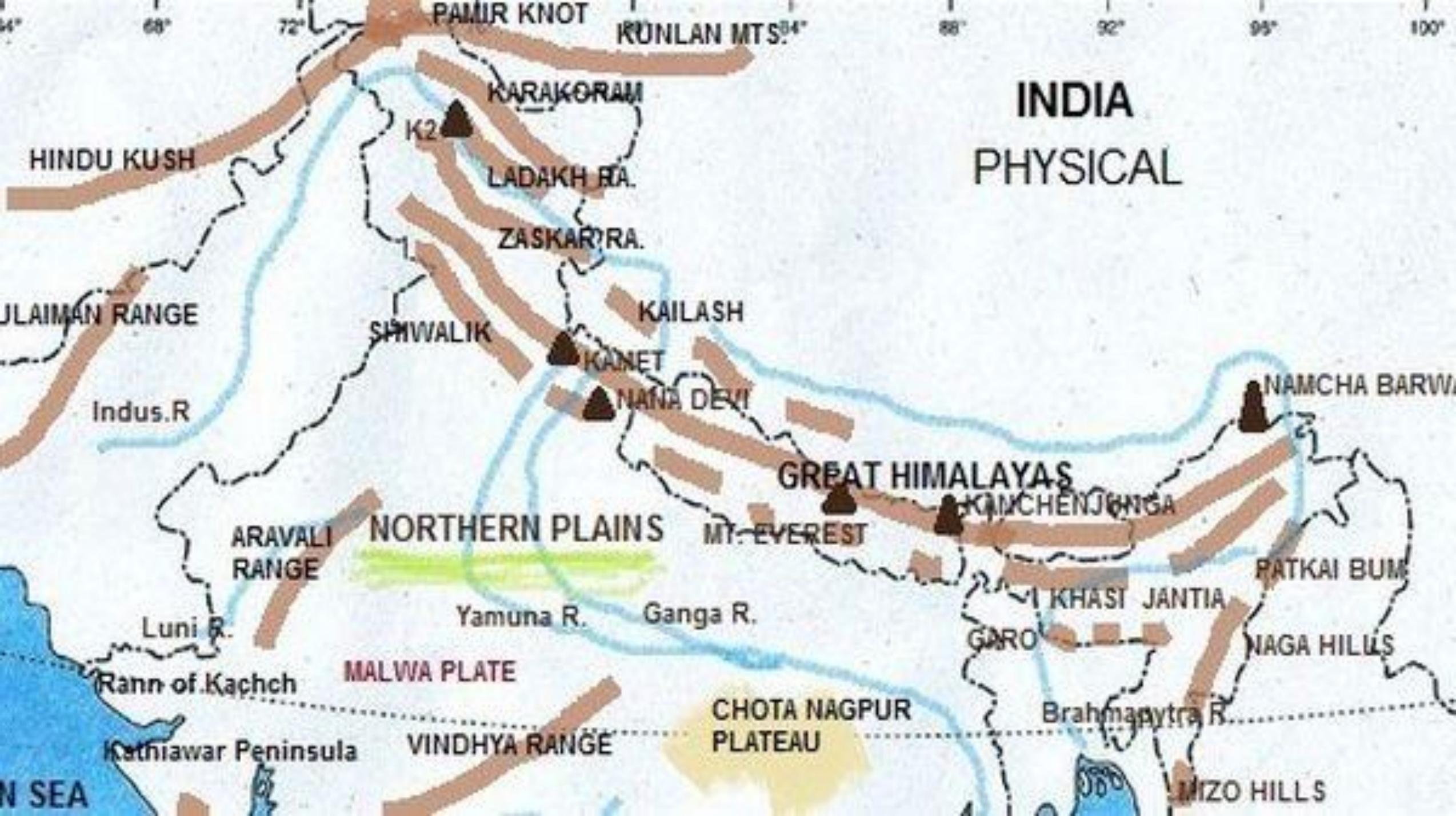
c) बाहरी हिमालय या शिवालिक: यह हिमालय की सबसे बाहरी सीमा है। ऊँचाई 900-1100 मीटर और चौड़ाई 10-50 KM के बीच होती है। उनके पास जम्मू की पहाड़ियों जैसी नीची पहाड़ियाँ हैं, शिवालिक और लेसर हिमालय (हिमाचल) के बीच पड़ी घाटियाँ जिन्हें देहरादून, कोटलीदुन और पतलीदुन जैसे 'दुन्स' कहा जाता है।

(iii) The Purvanchal hills

It comprises Mishami, Patkoi, Naga, Mizo hills which are located in eastern side. The Meghalaya plateau is also part of these hills which includes the hills of Garo, Khasi and Jaintia.

(iii) पूर्वांचल की पहाड़ियाँ

इसमें मिशमी, पटकोई, नागा, मिजो पहाड़ियाँ शामिल हैं जो पूर्वी दिशा में स्थित हैं। मेघालय पठार भी इन पहाड़ियों का हिस्सा है जिसमें गारो, खासी और जयंतिया की पहाड़ियाँ शामिल हैं।



The Northern Plains

Let us try to locate and label the states lying in the Northern Plains of India . The Northern Plains are located between south of the Himalayas and north of the Peninsular plateau. It is formed by the deposition of the sediments brought by three main river systems namely : the Indus, the Ganga and the Brahmaputra. From Punjab in the west to Assam in the east, this plain is about 2400 km long. Its width varies from about 300 km in the west to about 150 km in the east. It mainly includes the states of Punjab, Haryana, Uttar Pradesh, Bihar, West Bengal and Assam. This plain is very fertile due to alluvial sediments brought by the rivers from the Himalayas. This plain is one of the largest and most fertile plains of the world. Major crops such as wheat, rice, sugarcane, pulses, oil seeds and jute are grown here. Due to proper irrigation, the plain makes significant contribution in the production of food grains. The Northern plain is broadly divided into two parts :

उत्तरी मैदान: उत्तरी मैदान हिमालय के दक्षिण और प्रायद्वीपीय पठार के उत्तर के बीच स्थित हैं। यह तीन मुख्य नदी प्रणालियों द्वारा निर्मित तलछटों द्वारा निर्मित है: सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र। पश्चिम में पंजाब से लेकर पूर्व में असम तक यह मैदान लगभग 2400 किमी लंबा है। इसकी चौड़ाई पश्चिम में लगभग 300 किमी से लेकर पूर्व में लगभग 150 किमी तक भिन्न है। इसमें मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम राज्य शामिल हैं। यह हिमालय से नदियों द्वारा लाई गई जलोढ़ तलछट के कारण मैदान बहुत उपजाऊ है। यह मैदान दुनिया के सबसे बड़े और सबसे उपजाऊ मैदानों में से एक है। गेहूं, चावल, गन्ना, दालें, तेल बीज और जूट जैसी प्रमुख फसलें यहाँ उगाई जाती हैं। उचित सिंचाई के कारण, सादा अनाज के उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उत्तरी मैदान को मोटे तौर पर दो भागों में बांटा गया है:

(a) The Western plain

(b) The Ganga-Brahmaputra plain

(a) The Western Plain

This plain is formed by the river system of the Indus. It lies to the west of Aravallis. This plain is formed due to deposits brought by the rivers like the Satluj, the Beas and the Ravi. This part of the plain has doabs.

(a) पश्चिमी मैदान

(b) गंगा-ब्रह्मपुत्र मैदान

(a) पश्चिमी मैदान

यह मैदान सिंधु की नदी प्रणाली द्वारा निर्मित है। यह अरावली के पश्चिम में स्थित है। यह मैदान सतलुज, ब्यास और रावी जैसी नदियों द्वारा लाए गए जमा के कारण बनता है। मैदान के इस हिस्से में दोआब हैं।

(b) The Ganga-Brahmaputra plain

It is also formed by the deposition of the sediments brought by two main river systems, the Ganga and the Brahmaputra. The early civilizations like Mohenjo-Daro and Harappa also called river valley civilizations, were spread over plain areas. This is because of the availability of fertile land and water through the river networks.

(b) गंगा-ब्रह्मपुत्र मैदान

यह दो मुख्य नदी प्रणालियों, गंगा और ब्रह्मपुत्र द्वारा लाए गए अवसादों के जमाव द्वारा भी बनता है। मोहनजो-दारो और हड़प्पा जैसी प्रारंभिक सभ्यताओं को नदी घाटी सभ्यताएँ भी कहा जाता है, जो मैदानी क्षेत्रों में फैली हुई थीं। इसका कारण नदी नेटवर्क के माध्यम से उपजाऊ भूमि और पानी की उपलब्धता है।

Doab: the alluvial land between two converging rivers. Example doab area in Punjab.

Khadar: The area flooded by rivers almost every year

Banger: The area never flooded by rivers.

दोआब: दो अभिसरण नदियों के बीच जलोढ़ भूमि। उदाहरण पंजाब में दोआब क्षेत्र।

खादर: लगभग हर साल नदियों द्वारा बाढ़ का क्षेत्र

बांगर: इस क्षेत्र में कभी बाढ़ नहीं आती

The Peninsular Plateau

Look at the given below, you will find that the Peninsular plateau is a triangular shaped table land. It is part of ancient land mass called Gondwana level. It covers an area of nearly 5 lakh sq.km. It is spread over the states of Gujarat, Maharashtra, Bihar, Karnataka and Andhra Pradesh.

प्रायद्वीपीय पठार: यह एक त्रिकोणीय टेबल के आकार की भूमि है। यह गोंडवाना स्तर नामक प्राचीन भूमि का हिस्सा है। यह लगभग 5 लाख वर्ग किमी के क्षेत्र को कवर करता है। यह गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश राज्यों में फैला हुआ है

River Narmada divides the peninsular plateau into two parts : The central highlands and Deccan Plateau : -

(i) The central Highlands: It extends from Narmada river and the northern plains. A ravallis is the important mountain which extends from Gujrat through Rajasthan to Delhi. The highest peak of the Aravallis hills is Gurushikhar (1722m) near Mt. Abu. The Malwa Plateau and Chhota Nagpur plateau are parts of the central highlands. River Betwa, chambal and Ken are the important river of Malwa plateau while Mahadeo, Kaimur and Maikal are the important hills of chhota Nagpur plateau. The valley of Narmada is lies between the Vindhya and the satpura which flows east to west and joins the Arabian sea.

नर्मदा नदी प्रायद्वीपीय पठार को दो भागों में विभाजित करती है: केंद्रीय उच्चभूमि और दक्कन का पठार: -

(i) केंद्रीय उच्चभूमि : इसका विस्तार नर्मदा नदी और उत्तरी मैदानों से है। रावलिस एक महत्वपूर्ण पर्वत है, जो राजस्थान से दिल्ली होते हुए गुजरात तक फैला है। माउंट के पास अरावली पहाड़ियों की सबसे ऊँची चोटी गुरुशिखर (1722 मीटर) है। अबू। मालवा का पठार और छोटा नागपुर का पठार केंद्रीय हाइलैंड्स के हिस्से हैं। बेतवा नदी, चंबल और केन मालवा पठार की महत्वपूर्ण नदी हैं जबकि महादेव, कैमूर और माईकल छोटा नागपुर पठार की महत्वपूर्ण पहाड़ियाँ हैं। नर्मदा की घाटी विंध्य और सतपुड़ा के बीच स्थित है जो पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है और अरब सागर में मिलती है।

(ii) The Deccan Plateau: The Deccan plateau is separated by a fault (A fracture in the rock along which rocks have been relatively replaced), from Chota Nagpur plateau. The black soil area in the Deccan plateau is known as Deccan trap. It is formed due to volcanic eruptions. This soil is good for cotton & sugarcane cultivation. The Deccan plateau is broadly divided into:

(a) The Western Ghats

(b) The Eastern Ghats

ii) दक्कन का पठार: छोटा नागपुर पठार से दक्कन के पठार को एक खराबी (चट्टान में एक फ्रैक्चर जिसमें चट्टानों को अपेक्षाकृत बदल दिया गया है) द्वारा अलग किया जाता है। दक्कन के पठार में काली मिट्टी का क्षेत्र दक्खन जाल के नाम से जाना जाता है। इसका निर्माण ज्वालामुखी विस्फोट के कारण हुआ है। यह मिट्टी कपास और गन्ने की खेती के लिए अच्छी है। दक्कन के पठार को मोटे तौर पर इसमें विभाजित किया गया है:

(a) पश्चिमी घाट

(b) पूर्वी घाट

(a) The Western Ghats: If you look at map we will see the Western Ghats or Sahyadris lie on the Western edge of the Deccan plateau. It runs parallel to the western coast for about 1600 km. The average elevation of the Western Ghats is 1000 metres. The famous peaks in this area are Doda Betta, Anaimudi and Makurti. The highest peak in this region is Anaimudi (2695m.). Western ghats are continuous and can be crossed through passes like Pal Ghat, Thal Ghat and Bhor Ghat. The rivers like Godavari, Bhima and Krishna flow eastward while the river Tapti flows westward. The streams form rapids & water falls before entering the Arabian Sea. The famous water falls are Jog falls on Sharavati, Shiva Samudram falls on Kaveri etc.

(A) पश्चिमी घाट: पश्चिमी घाट या सह्याद्री दक्कन के पठार के पश्चिमी किनारे पर स्थित हैं। यह लगभग 1600 किमी तक पश्चिमी तट के समानांतर चलता है। पश्चिमी घाट की औसत ऊँचाई 1000 मीटर है। इस क्षेत्र की प्रसिद्ध चोटियाँ डोडा बेट्टा, अनाइमुडी और मकुर्ती हैं। इस क्षेत्र की सबसे ऊँची चोटी अनाइमुडी (2695 मी।) है। पश्चिमी घाट निरंतर हैं और पाल घाट, थल घाट और भोर घाट जैसे मार्गों से पार किया जा सकता है। गोदावरी, भीमा और कृष्णा जैसी नदियाँ पूर्व की ओर बहती हैं जबकि ताप्ती नदी पश्चिम की ओर बहती है। धाराएँ अरब सागर में प्रवेश करने से पहले रैपिड्स और पानी गिरती हैं। प्रसिद्ध जल प्रपात शरवती पर जोग फॉल्स हैं, शिव समुद्रम कावेरी पर गिरते हैं आदि।

The Eastern Ghats: The Eastern Ghats are discontinuous low belt. Their average elevation is 600 m. They run parallel to the east coast from south of Mahanadi valley to the Nilgiri hills. The highest peak in this region is Mahendragiri (1501 m). The famous hills are Mahendragiri hills, Nimaigiri hills in Orissa, Nallamallai hills in Southern Andhra Pradesh, Kollimalai and Pachaimalai in Tamilnadu. The area is drained by the Mahanadi, Godawari, Krishna and Kaveri river systems. The Nilgiri hills join Western & Eastern Ghats in the south.

पूर्वी घाट: पूर्वी इसकी औसत ऊँचाई 600 मीटर है। यह महानदी घाटी के दक्षिण से नीलगिरि पहाड़ियों के पूर्वी तट के समानांतर चलता है। इस क्षेत्र की सबसे ऊंची चोटी महेन्द्रगिरि (1501 मीटर) है। प्रसिद्ध पहाड़ियाँ महेन्द्रगिरि पहाड़ियाँ, उड़ीसा में निमिगिरी पहाड़ियाँ, दक्षिणी आंध्र प्रदेश में नल्लमलाई पहाड़ियाँ, तमिलनाडु में कोल्लीमलाई और पचमलाई हैं। क्षेत्र महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी नदी प्रणालियों द्वारा सूखा है। नीलगिरि पहाड़ियाँ दक्षिण में पश्चिमी और पूर्वी घाटों से जुड़ती हैं।

The Indian Desert

The Indian Desert lies towards the western margin of Aravalli Hills. It is also called Thar Desert. It is the ninth largest desert in the world. It spreads over the states of Gujarat and Rajasthan. This region has semi-arid and arid weather conditions. It receives less than 150 mm of rainfall per year. The vegetation cover is low with thorny bushes. Luni is the main river in this area. All other streams appear only at the time of rainfall otherwise they disappear into the sand.

भारतीय रेगिस्तान

भारतीय रेगिस्तान अरावली पहाड़ियों के पश्चिमी हिस्से की ओर स्थित है। इसे थार रेगिस्तान भी कहा जाता है। यह दुनिया का नौवां सबसे बड़ा रेगिस्तान है। यह गुजरात और राजस्थान राज्यों में फैला है। इस क्षेत्र में अर्ध-शुष्क और शुष्क मौसम की स्थिति है। यह प्रति वर्ष 150 मिमी से कम वर्षा प्राप्त करता है। कूंटेदार झाड़ियों के साथ वनस्पति कवर कम है। लूनी इस क्षेत्र की प्रमुख नदी है। अन्य सभी नदियाँ केवल वर्षा के समय दिखाई देती हैं अन्यथा वे रेत में गायब हो जाती हैं।

5. The Coastal Plains

The coastal plains in India run parallel to the Arabian Sea & Bay of Bengal along the Peninsular Plateau. The western coastal plain is a narrow belt along the Arabian sea of about 10-20km wide. It stretches from Rann of Kachchh to KanyaKumari. Western coastal plains comprises of three sectors (i) Konkan Coast (Mumbai to Goa), (ii) Karnataka coast from Goa to Mangalore (iii) Malabar Coast (Mangalore to Kanya Kumari). The eastern coast runs along Bay of Bengal. It is wider than the western coastal plain. Its average width is about 120Kms. The northern part of the coast is called Northern Circar and the southern part is called Coromandal Coast. Eastern coastal plain is marked by Deltas made by the rivers Mahanadi, Godavari, Krishna and Kaveri. The Chilka largest salt water lake in India in Odisha is located to the south of Mahanadi Delta. The coastal plains are belts for growing spices, rice, coconut, pepper etc. They are centres of trade & commerce. The coastal areas are known for fishing activities, therefore large number of fishing villages have developed along the coasts. Vembanad is famous lagoon which is located at Malabar coast.

5. तटीय मैदान

भारत में तटीय मैदान प्रायद्वीपीय पठार के साथ बंगाल के अरब सागर और खाड़ी के समानांतर चलते हैं। पश्चिमी तटीय मैदान लगभग 10-20 किमी चौड़े अरब सागर के साथ एक संकरी बेल्ट है। यह कच्छ के रण से कन्याकुमारी तक फैला हुआ है। पश्चिमी तटीय मैदानों में तीन क्षेत्र शामिल हैं (i) कोंकण तट (मुंबई से गोवा), (ii) कर्नाटक तट गोवा से मंगलोर (iii) मालाबार तट (मंगलौर से कन्या कुमारी)। पूर्वी तट बंगाल की खाड़ी के साथ चलता है। यह पश्चिमी तटीय मैदान की तुलना में व्यापक है। इसकी औसत चौड़ाई लगभग 120Kms है।
का उत्तरी भाग

तट को उत्तरी गोलाकार और दक्षिणी भाग को कोरोमंडल तट कहा जाता है। पूर्वी तटीय मैदान महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी नदियों द्वारा बनाए गए डेल्टास द्वारा चिह्नित है। ओडिशा में भारत की चिल्का सबसे बड़ी खारे पानी की झील महानदी डेल्टा के दक्षिण में स्थित है। तटीय मैदान बढ़ते मसालों, चावल, नारियल, काली मिर्च आदि के लिए बेल्ट हैं। वे व्यापार और वाणिज्य के केंद्र हैं। तटीय क्षेत्र मछली पकड़ने की गतिविधियों के लिए जाने जाते हैं, इसलिए बड़ी संख्या में मछली पकड़ने के गाँव तटों के साथ विकसित हुए हैं। वेम्बनाड प्रसिद्ध लैगून है जो मालाबार तट पर स्थित है।

The Islands

India has two main groups of Islands. There are 204 islands in Bay of Bengal called as Andaman and Nicobar islands and 43 islands in Arabian Sea called as Lakshadweep islands. The Andaman & Nicobar island extend from north to south in Bay of Bengal. They are bigger in size. An active volcano is located on the Barren Island in Andaman & Nicobar group of islands. Lakshadweep islands are located near Malabar coast of Kerala in the Arabian sea. They cover an area of 32 sq. km. Kavarati is the capital of Lakshadweep. These islands are formed by corals and endowed with variety of flora and fauna. These islands are important tourist attraction under water activities like snorkling, such diving, deep sea diving and other sports make these island more popular.

द्वीप:

भारत में द्वीपों के दो मुख्य समूह हैं। बंगाल की खाड़ी में 204 द्वीप हैं जिन्हें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह कहा जाता है और अरब सागर में 43 द्वीपों को लक्षद्वीप द्वीप कहा जाता है। अंडमान और निकोबार द्वीप बंगाल की खाड़ी में उत्तर से दक्षिण तक फैला है। ये आकार में बड़े होते हैं। एक सक्रिय ज्वालामुखी अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के बंजर द्वीप पर स्थित है। लक्षद्वीप द्वीपसमूह अरब सागर में केरल के मालाबार तट के पास स्थित है। वे 32 वर्ग किमी के क्षेत्र को कवर करते हैं। कवर्ती लक्षद्वीप की राजधानी है। ये द्वीप कोरल द्वारा निर्मित हैं और वनस्पतियों और जीवों की विविधता से संपन्न हैं। ये द्वीप स्नोकलिंग, जैसे गोताखोरी, गहरे समुद्र में गोताखोरी और अन्य खेलों के तहत पानी की गतिविधियों के तहत महत्वपूर्ण पर्यटक आकर्षण हैं, इन द्वीपों को और अधिक लोकप्रिय बनाते हैं।